यूपी में निवेश करेंगी जापानी कंपनियां

मुख्यमंत्री से मिला जापानी प्रतिनिधिमंडल, प्रदेश की औद्योगिक नीति की सराहना की

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। जापानी निवेशकों ने प्रदेश में नए औद्योगिक निवेश के प्रति रुचि दिखाई है। जापान के राजदूत हिरोशी सुजुकी के नेतृत्व में शुक्रवार को जापानी उद्यमियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंटकर प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत व जापान के संबंध हमेशा से मैत्रीपूर्ण रहे हैं। दोनों देश बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और सामरिक दृष्टिकोण भी समान हैं।

जापानी राजदूत ने प्रदेश में उद्योग व्यापार के अवसरों, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व की प्रशंसा की। साथ ही कहा कि जापान के निवेशक यहां की नीतियों से उत्साहित हैं। निवेशकों का यह उत्साह भारत व जापान के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रसार के कारण भारत व जापान के बीच सदियों से मजबूत सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। प्रदेश में कपिलवस्तु, सारनाथ, संकिसा, श्रावस्ती और कुशीनगर बौद्ध मतावलंबियों के लिए बड़े आस्था के केंद्र हैं। वाराणसी में जापान के सहयोग से निर्मित विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. शिंजो आबे के प्रगाढ़ संबंधों ने आधुनिक युग में भारत-जापान के राजनीतिक, आर्थिक व व्यावसायिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जापानी कंपनियों के साथ सहयोग करने की इच्छुक है।

सीएम योगी से मुलाकात करते जापान के राजदूत हिरोशी सुजुकी। स्रोत : सूचना विभाग

प्रदेश में निवेश पर भारी छूट

सीएम ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर, बायो-फ्यूल, फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, डेयरी आदि के लिए अलग-अलग नीतियां हैं। इनमें स्टाम्प ड्यूटी, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी व भूमि खरीद पर छूट, पूंजीगत सब्सिडी, नेट एसजीएसटी का रिफंड आदि आकर्षक प्रोत्साहन हैं। सरकार ने फॉर्चून ग्लोबल 500 व फॉर्चून इंडिया 500 कंपनियों के लिए प्रोत्साहन नीति भी घोषित की है।

कानपुर कृषि विवि में कुबोटा संस्थान

कुबोटा एग्रीकल्चरल मशीनरी इंडिया के चेयरमैन व एमडी, निखिल चंद्रा ने कानपुर स्थित चंद्रशेखर आजाद कृषि विवि में एस्कॉर्ट कुबोटा फार्म इंस्टिट्यूट की स्थापना को लेकर अपनी रुचि जताई।

यूपी विकास की तेज छलांग लगाने की ओर अग्रसर

लखनऊ। उद्योग संगठन फिक्की के जापान के साथ औद्योगिक संबंधों को लेकर शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में जापान के राजदूत हिरोशी सुजुकी ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश को एक स्प्रिंग बोर्ड के रूप में देख रहे हैं। यूपी विकास की तेज छलांग लगाने वाला राज्य बनने की तरफ अग्रसर है, जिसने जापान की कंपनियों को खासा प्रभावित किया है।

भारत में जापान के राजदूत बोले, विकास के स्प्रिंग बोर्ड पर बैठा है यूपी

ऊर्जा मंत्री ने कहा, वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में असीम संभावनाएं

फिक्की की ओर से आयोजित 'उप्र औद्योगिक कार्यक्रम विकास की संभावनाओं पर जापान के साथ संवाद' कार्यक्रम में सुजुकी ने कहा कि भारत में यूपी ही एकमात्र राज्य है जो विकास के स्प्रिंग बोर्ड पर बैठा है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यापार और विकास के माहौल के लिए देश का राजनीतिक समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं। जापान की तकनीकी दक्षता के साथ ये सेक्टर तेजी से बढ़त हासिल कर सकता है। प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा की मांग बढ़ रही है। इस दृष्टि से भी ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों से भी उत्पादन करना आवश्यक हो गया है। फिक्की स्टेट काउंसिल के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि जापान और भारत द्विपक्षीय संबंधों के मामले में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में अपनी क्षमता विकसित की है। औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि यूपी में हुए सकारात्मक परिवर्तन ने किसानों के जीवन में समृद्धि लाई है। तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष सिंह पटेल ने कहा कि जापान अपने तकनीकी नवाचार के लिए जाना जाता है जो दक्षता को बढ़ाता है। इंवेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी विशाल कामकाजी आबादी और उनके उत्साह और नीतियों के माध्यम से जापान सहित विभिन्न देशों द्वारा निवेश के लिए एक प्रमुख विकल्प बन गया है। ब्यूरो